पाठ-9

सुमन एक उपवन के

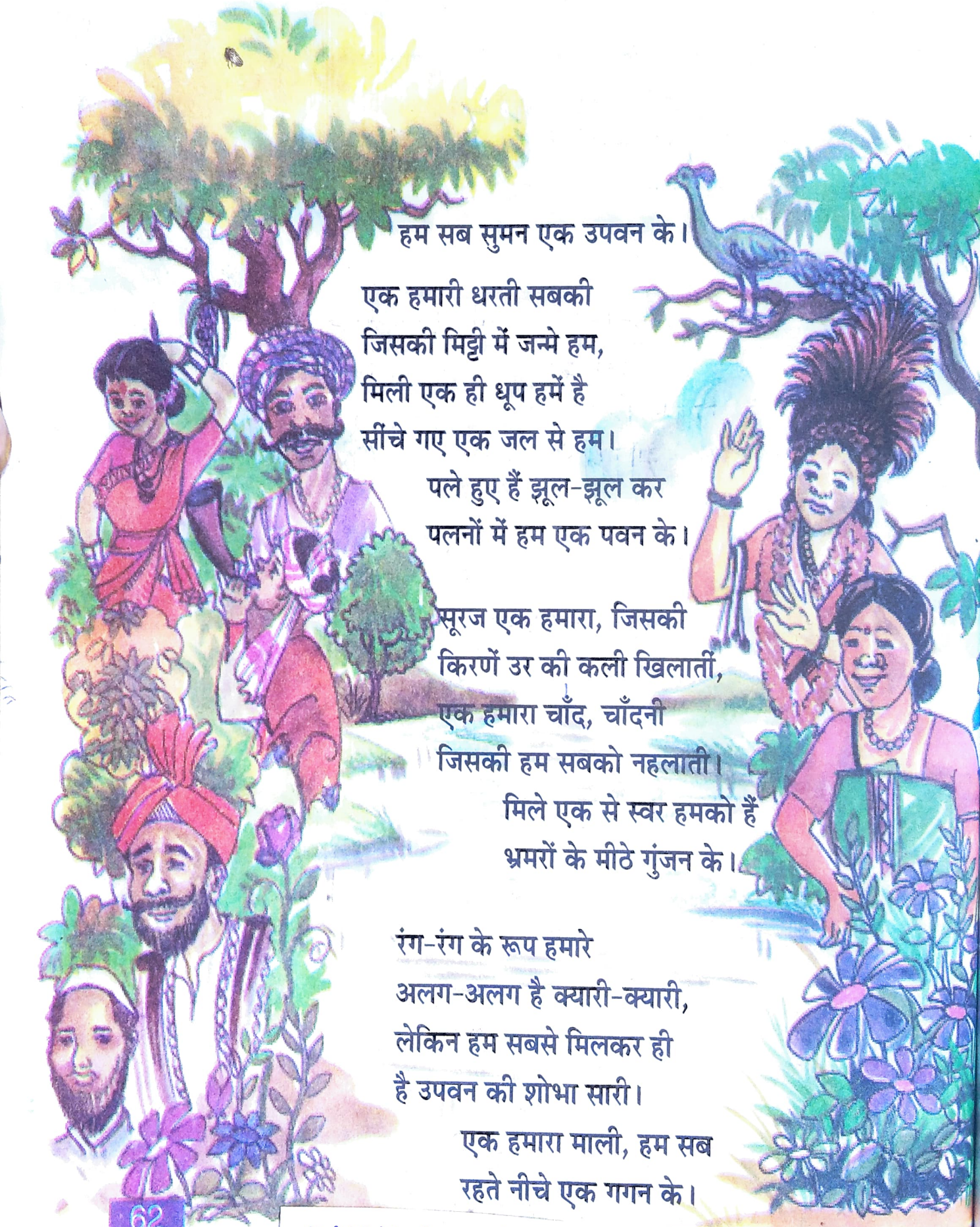

हम सब सुमन एक उपवन के।

एक हमारी धरती सबकी
जिसकी मिट्टी में जन्मे हम,
मिली एक ही धूप हमें है
सींचे गए एक जल से हम।
पले हुए हैं झूल-झूल कर
पलनों में हम एक पवन के।

सूरज एक हमारा, जिसकी
किरणें उर की कली खिलातीं,
एक हमारा चाँद, चाँदनी
जिसकी हम सबको नहलाती।
मिले एक से स्वर हमको हैं
भ्रमरों के मीठे गुंजन के।

रंग-रंग के रूप हमारे
अलग-अलग है क्यारी-क्यारी,
लेकिन हम सबसे मिलकर ही
है उपवन की शोभा सारी।
एक हमारा माली, हम सब
रहते नीचे एक गगन के।

- द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

DAILY ASSAM

अभ्यास-माला

पाठ से

1. संक्षेप में उत्तर दो :

(क) कविता में 'सुमन' और 'उपवन' किन्हें कहा गया है ?

(ख) फूलों की कलियाँ किससे खिलती हैं ?

(ग) भ्रमरों के गुंजन कैसे लगते हैं ?

(घ) कवि के अनुसार हमारा माली कौन है ?

(ङ) चाँदनी किसको नहलाती है ?

2. उत्तर लिखो :

(क) कवि ने उपवन के फूलों को किन कारणों से समान कहा है ?

(ख) कई रंगों के फूल उपवन की शोभा बढ़ाते हैं। उसी प्रकार भिन्न जाति-उपजातियों के लोग देश की शोभा कैसे बढ़ाते हैं ?

(ग) प्रस्तुत कविता से हमें क्या सीख मिलती है ?

3. "संसार एक उपवन है और हम उसके फूल हैं।" इस संदर्भ में अपनी राय प्रस्तुत करो।

पाठ के आस-पास

1. प्रस्तुत कविता 'अनेकता में एकता' के भाव का चित्रण करती है। ऐसी ही भाववाली कोई अन्य कविता कक्षा में सुनाओ।

2. "भारत विविध भाषाओं एवं संस्कृतियों वाला सुंदर देश है।" इस कथन का आशय स्पष्ट करो।

3. सोचो, समझो और रेखा खींचकर मिलाओ :

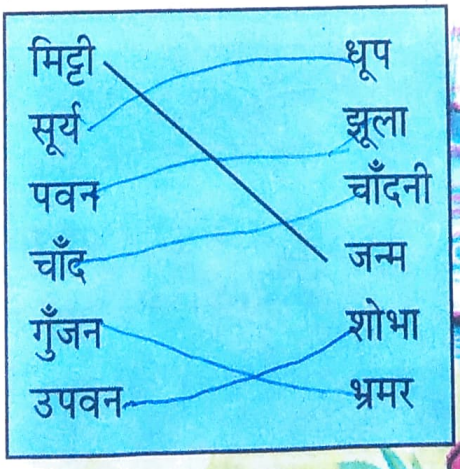

DAILY ASSAM

भाषा-अध्ययन

1. प्रस्तुत कविता में कुछ शब्दों की पुनरुक्ति हुई है। आओ, इनसे वाक्य बनाएँ :

अलग-अलग रंग-रंग क्यारी-क्यारी झूल-झूल

2. निम्नलिखित शब्दों को शब्द-कोश के क्रम से सजाओ :

सुमन, उपवन, धरती, धूप, खींचना, पवन, किरण, डर, गगन, गुँजन, शोभा

3. पर्यायवाची शब्द को समानार्थक शब्द अथवा समान अर्थवाला शब्द भी कहते हैं। नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो :

धरती = वसुधा, धरा

सूरज = रवि, दिनकर

चाँद = चन्द्र, निशापति

उपवन = बाग, बगीचा

4. 'क' खंड के शब्दों के साथ 'ख' खंड के विपरीतार्थक शब्दों को मिलाओ और खाली स्थानों में उन्हें भरो :

क	ख
धूप	आकाश
धरती	अनेक
एक	मृत्यु
जन्म	छाँव

.... x ....

.... x ....

.... x ....

.... x ....

5. नीचे दिए गए वाक्यों को देखो और समझो :

(क) हाथ **में** घड़ी है। (ख) मेज **पर** किताब है।

(ग) सीता घर **में** नहीं है। (घ) सूरज के उगने **पर** सवेरा होता है।

ऊपर लिखे वाक्यों को ध्यान से देखो। इन वाक्यों में 'में' और 'पर' चिह्नों का प्रयोग हुआ है। क्रिया जिस स्थान या समय पर घटित होती है उसके साथ 'में' तथा 'पर' चिह्न जोड़ा जाता है। जब अंदर होने का भाव हो, तब 'में' और जब ऊपर होने का भाव हो तब 'पर' चिह्न का प्रयोग होता है।

DAILY ASSAM

अब तुम भी 'में' और 'पर' लगाकर तीन-तीन वाक्य लिखो :

में	पर
(क)	(क)
(ख)	(ख)
(ग)	(ग)

योग्यता-विस्तार

1. अपने आस-पास के किन्हीं पाँच फूलों और उनके रंगों के नाम बताओ।
2. तुम अपने जन्म-दिन के अवसर पर किसी फूल का पौधा या कोई पेड़ लगाओ और उसकी देखभाल करो।
3. "एकता में बल है।" प्रस्तुत विषय पर कक्षा में चर्चा करो।
4. नीचे दिए गए कवितांश को ध्यानपूर्वक पढ़ो और उसे आगे बढ़ाओ :

सुबह-सवेरे आती तितली,
फूल-फूल पर जाती तितली,
रंग-बिरंगे पंख सजाए,
सबके मन को भाती तितली।

.....

.....

.....

.....

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
सुमन	=	फूल	चाँदनी	=	चाँद का प्रकाश
उपवन	=	बाग, बगीचा	नहलाना	=	स्नान कराना
धूप	=	सूर्य का प्रकाश, आतप	शोभा	=	सुंदरता
पवन	=	हवा, वायु	गगन	=	आकाश
कली	=	अविकसित फूल	गुंजन	=	कोमल, मधुर ध्वनि

DAILY ASSAM